

Chapter: 1 to 5

विभाग १ - गद्य

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

(8)

प्र. १ कैलाश ने ऊपर नीचे झाँका। दृष्टि भी अंदर घुसने को इनकार कर रही थी। सहसा उसने एक काँच का कटोरा निकाला और विमला से पूछा, “भाभी जी, ये सिल्वर क्रीम किसकी है ?”
“अपनी है।”

(8)

“तो फिर इन्हें रखने का क्या फायदा ? ऐसी चीज तो पेट में पहुँचनी चाहिए।”
कहकर उसने दो मुँह में रख लीं।
बाकी दो बची थीं। हेमंत-अमिता स्कूल गए थे और उसमें जगह करनी थी इसलिए उन्हें हमने उदरस्थ किया।

दो-तीन दिन में फ्रिज खाली हो गया। उसमें केवल हमारी चीजें थीं।
शांति बुआ अपना पनीर मटर लेने आई। “क्या करें बुआ जी उसमें मच्छर गिर गए थे इसलिए फेंक दिया।”

रामानुज ने मिठाई मांगी तो माफ़ी माँगने लगा, “चाचा जी, बड़ा शर्मिदा हूँ। कल तीन-चार मित्र आ गए थे। बाजार जाने का मौका न मिला। आपकी मिठाई से काम चला लिया। फिर मैं आप में और अपने में कोई भेद नहीं मानता।” ये शब्द उन्हीं के थे जब वे मिठाई रखने आए थे।

साग लेने चक्रवर्ती आए तो लाचारी दिखाई, “भाई, तुम्हें तो पता है कल कैसी धुआँधार बारिश थी। पत्नी बोली-“जब घर में साग रखा है तब भीगने से क्या फायदा। जैसा उन्होंने खाया वैसा हमने।”

रमा पराठे को पूछ रही थी, विमला ने उत्तर दिया, “सवेरे-ही-सवेरे एक साधू आ गए। बड़े पहुँचे हुए साधू थे। खाली हाथ कैसे जाने देती। घर में कुछ तैयार नहीं था। तुम्हारे पराठे दे दिए।”

रमा ने शंका उपस्थित की, “किंतु तुम तो साधू-संतों में विश्वास नहीं करती ?”

विमला ने बात बनाई, “वह फिर सारे मोहल्ले को तंग करता। मैंने पराठे तुम्हारी ओर से उसे दिए हैं। तुम्हारे घर का पता बता दिया है। झूठ समझो या सच, कल-परसों वह जब तुम्हारे घर आकर आज के पराठे के लिए आशीष देगा और भोजन माँगेगा तब तुम्हें मानना पड़ेगा।”

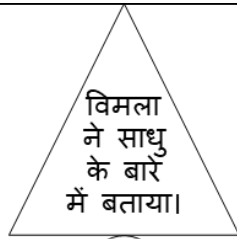
मैंने कहा न, मोहल्ले में समाचार उड़ती बीमारी की भाँति फैलते हैं। अब मेरे घर के पास भी कोई नहीं फटकता

1 A1) ..

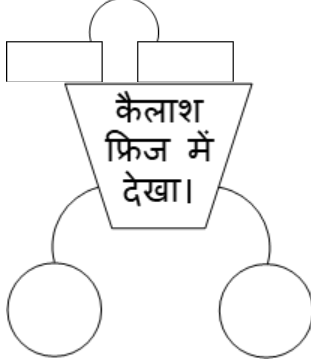
2

आकृति पूर्ण कीजिए।

i.



ii.



A

2

2)

उचित जोड़ियाँ मिलाइए।

गट 'अ'	गट 'ब'
(१) पराठे	(अ) मिठाई
(२) साग	(ब) पनीर मटर
(३) रामानुज	(क) रमा
(४) शांति बुआ	(ड) चक्रवर्ती

A

2

3)

निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

(i) फायदा ×

(ii) विश्वास ×

(iii) कल ×

(iv) भीगना ×

A

2

4)

स्वमत :-

स्वमत अभिव्यक्ति।

“बिजली बचाओ उन्नति लाओ।” इस वाक्य के आधार पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग २ - पदय

प्र. २	परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)	(6)
प्र. २	<p>झूठा मीठे वचन कहि, ऋण उधार ले जाय । लेत परम सुख ऊपजै, लैके दियो न जाय ॥ लैके दियो न जाय, ऊँच अरु नीच बतावै । ऋण उधार की रीति, माँगते मारन धावै ॥ कह गिरिधर कविराय, जानि रहै मन में रूठा । बहुत दिना हो जाय, कहै तेरो कागज झूठा ॥</p> <p>बिना विचारे जो करै, सो पाछै पछताय । काम बिगारै आपनो, जग में होत हँसाय ॥ जग में होत हँसाय, चित्त में चैन न आवै । खान-पान-सनमान, राग-रंग मनहि न भावै ॥ कह गिरिधर कविराय, दुख कछु टरत न टारे । खटकत है जिय माँहि, कियो जो बिना विचारे ॥</p>	(6)
1	<p>A1) ..</p> <p>निम्नलिखित विधानों को पद्यांश में आए उनके क्रमानुसार लिखिए।</p> <ol style="list-style-type: none"> राग - रंग मनहि न भावै बिना विचारे जो करै दुख कछु टरत न टारे जग में होत हँसाय <p>A2) ..</p> <ol style="list-style-type: none"> निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए। <ol style="list-style-type: none"> अपना - सम्मान - प्रत्यय एवं उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए। <ol style="list-style-type: none"> चैन - रीति - <p>A3) ..</p> <p>भावार्थ लिखिए। उपरोक्त पद्यांश के अंतिम कुंडली का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (बिना विचारे जो कियो जो बिना विचारे।)</p> <p>विभाग ३ - भाषा अध्यन (व्याकरण)</p>	2
प्र. ३	<p>(१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए</p> <p>बड़े आदमी को डर लगता है</p> <p>(२) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए</p> <p>उनकी मृत्यु को लगभग तीस वर्ष हो गए है।</p> <p>(३) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए</p> <p>तुमने इतवार को छुट्टी मनाई है। (अपूर्ण भूतकाल)</p>	<p>(1)</p> <p>(1)</p> <p>(1)</p>

(४) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए (1)
पेट में चूहे दौड़ना

(5) निम्न वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण शब्द चुनकर लिखिए : (2)

1) आपकी दुआ से लाटरी लगी है।

2) हम खुद गरम हो रहे थे।

विभाग ४ - उपयोजित लेखन

प्र. ४ वृत्तांत लेखन कीजिए (5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर वृक्षारोपण समारोह पर वृत्तांत लिखिए

i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन

